http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 56

प्रयागराज मंगलवार 12 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना बने उच्चतम न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह

में शीर्ष अदालत के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना को 51वें मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शीर्ष अदालत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा मौजूदा और पूर्व न्यायाधीश, कई केंद्रीय मंत्री और अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ रविवार 10 नवंबर को शीर्ष अदालत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अक्टूबर में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति खन्ना को शीर्ष अदालत का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 24 अक्टूबर 2024 को केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने न्यायमूर्ति खन्ना के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने से संबंधित एक अधिसूचना जारी की। न्यायमूर्ति खन्ना 2018 की श्चुनावी बॉन्ड योजनाश को रद्द करने वाली पांच सदस्यीय पीठ में शामिल थे। न्यायमूर्ति खन्ना को 18 जनवरी 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था, तब वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। उन्हें 2005 में दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया और एक साल बाद उन्हें यहां स्थायी न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना संविधान के अनुच्छेद 370 का प्रभाव जम्मू कश्मीर से हटाने और सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट (नई संसद भवन और इसके आसपास के क्षेत्रों का पुर्नविकास) हरी झंडी देने वाली पीठ सहित कई महत्वपूर्ण फैसलों के हिस्सा थे।

श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ पर मोदी बोले....

युवाओं को नशे से बचाना जरूरी

● प्रधानमंत्री मोदी बोले-कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं: हमें मिलकर उन्हें रोकना है, संत-महात्माओं ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उन्होंने कहा कि इस बार प्रयागराज में कुंभ मेला लग रहा है। यह कुंभ मेला 12 साल बाद लग रहा है। दुनिया ने भी इस विरासत को स्वीकार किया है। 13 जनवरी से शुरू होकर करीब 45 दिनों तक चलने वाले इस कुंभ मेले में 40–50 करोड़ लोग आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान स्वामी नारायण की कृपा से वडताल धाम में भव्य द्विशताब्दी समारोह का आयोजन हो रहा है, देश–विदेश से तमाम हरि भक्त वहां आए हैं। आज लोग भी सेवा कार्य में बढ़–चढ़कर योगदान दे रहे हैं। द्विशताब्दी समारोह केवल एक आयोजन या इतिहास की तारीख नहीं है। ये मेरे जैसे हर व्यक्ति के लिए, जो वड़ताल धाम में अनन्य आस्था के साथ बड़ा हुआ है, उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। पीएम मोदी ने कहा, श्मैं मानता हूं कि हमारे लिए ये अवसर भारतीय संस्कृति के शाश्वत प्रवाह का प्रमाण है। 200 साल पहले जिस वडताल धाम की स्थापना भगवान भगवान श्री स्वामीनारायण ने की थी, हमने आज भी उसकी अध्यात्मिक चेतना को जागृत रखा है। हम आज भी यहां भगवान श्री स्वामीनारायण की शिक्षाओं को, उनकी ऊर्जा को अनुभव कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जाति, धर्म, भाषा, ऊंच–नीच,

पुरुष–महिला, गांव–शहर के आधार पर समाज को बांटने की साजिश चल रही है। यह जरूरी है कि हम राष्ट्रीय दुश्मनों की इस कोशिश की गंभीरता को समझें, इस संकट को पहचाने और मिलकर ऐसी हरकत को परास्त करें। हमें मिलकर काम करना है। हमें मजबूत, सक्षम और शिक्षित युवा तैयार करने हैं। विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना होगा। कुशल युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। हमारे युवाओं की वैश्विक मांग और बढ़ने वाली है। आज मैं दुनिया के जितने भी नेताओं से मिलता हूं, उनमें से ज्यादातर नेताओं की यही अपेक्षा होती है कि भारत के युवा, भारत की कुशल जनशक्ति, भारत के आईटी सेक्टर के युवा उनके देश जाएं और उनके देश में काम करें। भारत के युवाओं की क्षमता से पूरी दुनिया आकर्षित होती है। प्रयागराज में कुंभ को लेकर कही यह बात उन्होंने कहा कि इस बार प्रयागराज में कुंभ मेला लग रहा है। यह कुंभ मेला 12 साल बाद लग रहा है। दुनिया ने भी इस विरासत को स्वीकार किया है। 13 जनवरी से शुरू होकर करीब 45 दिनों तक चलने वाले इस कुंभ मेले में 40–50 करोड़ लोग आएंगे। दुनियाभर के लोगों को शिक्षित करें और जो विदेशी भारतीय मूल के नहीं हैं, उन्हें कुंभ मेला क्या है, यह समझाएं और कम से कम 100 विदेशियों को बड़ी श्रद्धा के साथ प्रयागराज के इस कुंभ मेले में लाने का प्रयास करें। यह पूरी दुनिया में जागरूकता फैलाने का काम होगा।

भाजपा की सरकार बना दो, हम घुसपैठ को रोक देंगे: शाह

रांची,(एजेंसी)। जेएमएम–कांग्रेस–आरजेडी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला किया, 300 करोड़ रुपये का जमीन घोटाला किया, सेना की जमीन भी हड़प ली, एक हजार करोड़ रुपये का खनन घोटाला किया और हजारों घ्करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। ये घोटाले करने वाली सरकार है। झारखंड के

सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंपई सोरेन जी इतने वर्षों तक वफादारी के साथ गुरु जी के साथ रहे, हेमंत जी के साथ रहे, लेकिन जिस तरीके से अपमानित करके चंपई जी को निकाला गया, वह सिर्फ चंपई सोरेन जी का अपमान नहीं है, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है। सरायकेला से भाजपा ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन को टीकट दिया है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ इतना था कि चंपई सोरेन जी ने कहा, ये भ्रष्टाचार बंद होना चाहिए, वो (जेएमएम) भ्रष्टाचार बंद करने को तैयार नहीं थे। जेएमएम–कांग्रेस–आरजेडी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला किया, 300 करोड़ रुपये का जमीन घोटाला किया, सेना की जमीन भी हड़प ली, एक हजार करोड़ रुपये का खनन घोटाला किया और हजारों घ्करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। ये घोटाले करने वाली सरकार है।

'तीन परिवारों ने झारखंड को लूटा'

● सीएम योगी बोले, चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है

रांची,(एजेंसी)। योगी ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी ने ऐसा किया या किसी उत्सव में खलल डालने की कोशिश की तो यमराज के पास जाने का टिकट बुक हो जाता है। चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है। झारखंड में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का स्नेह भाजपा की विकासपरक नीतियों पर भरोसे का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने काह कि राज्य की सुशासनप्रिय व राष्ट्रवादी जनता हर बूथ पर श्कमलश खिलाने के लिए तैयार है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि झारखंड में माफिया पनप रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि उत्तर प्रदेश आपके ठीक बगल में है। जाकर देख लीजिए, कानून व्यवस्था से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। योगी ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी ने ऐसा किया या किसी उत्सव में खलल डालने की कोशिश की तो यमराज के पास जाने का टिकट बुक हो जाता है। चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, झामुमो और आरजेडी, ये तीन परिवारश झारखण्ड को एक धर्मशाला बनाकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को अराजकता फैलाने की पूरी छूट दे रखे हैं। योगी ने जोर देते हुए काह कि झारखण्ड को बचाने के लिए, विकसित झारखण्ड बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा हो, सम्मान हो, समृद्धि हो या सुशासन, यह केवल और केवल भाजपा ही दे सकती है। भाजपा आएगी, पत्थरबाजों का उपचार कर देगी। आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया, पत्थरबाजों और अराजकता

फैलाने वालों और त्योहारों में गड़बड़ी पैदा करने वालों के ष्इलाजष के लिए झारखंड में डबल इंजन सरकार की जरूरत है। भवनाथपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया, ष्झारखंड को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए धर्मशाला में बदल दिया गया है, जिन्हें अराजकता फैलाने की खुली छूट दी गई है।ष उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह करते हुए कहा कि अगर बंटे तो वे मिट जाएंगे। उन्होंने कहा, श्बटेंगे तो काटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार ने भ्रष्टाचार, अराजकता और प्राकृतिक संसाधनों की लूट को बढ़ावा दिया। सोरेन परिवार, लालू प्रसाद के परिवार और गांधी परिवार के स्पष्ट संदर्भ में उन्होंने आरोप लगाया कि रांची, पटना और दिल्ली में तीन परिवारों ने व्यक्तिगत विकास के लिए लूट और भ्रष्टाचार किया। उन्होंने आरोप लगाया, श्झामुमो के नेतृत्व वाले शासन में प्राकृतिक संपदा की लूट हो रही है, मजदूर झारखंड से पलायन करने को मजबूर हैं और किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

झारखंड में चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

रांची,(एजेंसी)। बताया गया है कि यह एफआईआर रांची के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दायर हुई है। इसमें झारखंड भाजपा पर आचार संहिता और अन्य कानूनों के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। झारखंड के रांची में राज्य की भाजपा इकाई पर एफआईआर दर्ज की है। रांची पुलिस ने कांग्रेस से शिकायत मिलने के बाद भाजपा पर यह केस दर्ज किया है। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने झारखंड भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल पर गलत और बहकाने वाले वीडियो पोस्ट करने का आरोप लगाया है। इसी के मद्देनजर रांची पुलिस ने पार्टी के खिलाफ केस दर्ज किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग (ईसी) को 10 नवंबर 2024 को कांग्रेस नेता जयराम रमेश की तरफ से शिकायत मिली है। इसमें आरोप लगाया है कि एक्स पर ठश्रच4श्रींतींदक हैंडल से कुछ वीडियो पोस्ट किए गए हैं, जो कि झूठे और बहकाने वाले हैं। इस शिकायत में कहा गया है कि वीडियो में कथित तौर पर निराधार आरोप लगाए गए हैं, ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके और उन्हें विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों को वोट देने से रोका जा सके। कांग्रेस नेता ने चिट्ठी में यह भी कहा कि इन वीडियोज में झामुमो, कांग्रेस और राजद के नेताओं को लेकर कई गलत आरोप लगाए गए हैं और बयान भी दिए गए हैं। झारखंड भाजपा के पेज पर यह वीडियो 9 नवंबर को पोस्ट किए गए।

तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बनी: भागवत

● दुनिया शांति के लिए भारत की ओर देख रही, पर कुछ लोग अड़ंगा डाल रहे

जबलपुर,(एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस वक्त दुनिया शांति के लिए भारत की ओर देख रही है, लेकिन कुछ लोग अड़ंगा डाल रहे हैं। संघ प्रमुख ने एक बार फिर कहा कि भारत विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है। भागवत, मध्य प्रदेश के जबलपुर में संघ की नेत्री डॉक्टर उर्मिला जामदार की याद में हुए एक प्रोग्राम में बोल रहे थे। 4 मुद्दों पर मोहन भागवत का बयान 1. तीसरा विश्वयुद्धरू संघ प्रमुख ने कहा कि यूक्रेन–रूस और इजराइल–हमास युद्ध के बीच तीसरे विश्वयुद्ध की छाया पनप रही है। अभी यह नहीं साफ हो पा रहा है कि यह कहां से शुरू होगा, इजराइल से या फिर यूक्रेन से। 2. विज्ञान और हथियाररू भागवत बोले कि दुनिया में विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, लेकिन इसके फायदे अभी दुनिया के गरीबों तक नहीं पहुंच रहे हैं, लेकिन दुनिया को तबाह करने वाले हथियार हर जगह पहुंच जा रहे हैं। कुछ बीमारियों के लिए दवाएं भले ही ग्रामीण इलाकों तक न पहुंची हों, लेकिन कट्टा यहां पहुंच जाता है। 3. पर्यावरणरू संघ प्रमुख ने पर्यावरण पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण ऐसी स्थिति में पहुंच गया है, जहां वह बीमारियों की वजह बन रहा है। 4. सनातन धर्म और हिंदुत्वरू भागवत ने कहा कि मानवता की सेवा करना ही सनातन धर्म है और यही हिंदुत्व में भी होता है। हिंदुत्व में दुनिया को रास्ता दिखाने का सामर्थ्य है। भारतीय ग्रंथों में लिखे जाने से बहुत पहले ही हिंदु शब्द अस्तित्व में आ गया था। जनता के बीच पहली बार इसका इस्तेमाल गुरु नानक देव जी ने किया था। भागवत बोले– हिंदुओं को एकजुट रहना होगा, मोदी–योगी भी कह चुके– बंटेंगे तो नुकसान होगा राजस्थान के बारां में पिछले महीने मोहन भागवत ने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा– हिंदू समाज मतभेद और विवाद मिटाकर एक साथ आएं। भारत की प्रतिष्ठा अपने देश के सबल होने से है। सबल राष्ट्र के प्रवासियों की सुरक्षा भी तब ही होती है, जब उनका राष्ट्र सबल है।

वरना निर्बल राष्ट्र के प्रवासियों को देश छोड़ने के आदेश दे दिए जाते हैं।

उपचुनाव के प्रचार में बहन प्रियंका के साथ जुटे राहुल, वायनाड को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने का वादा

वायनाड (केरल),(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव वाड्रा उपचुनाव में यूडीएफ की उम्मीदवार हैं। राहुल ने अपनी बहन के साथ सुल्तान बाथरी में अजम्पशन जंक्शन से चुनगम जंक्शन तक रोड शो किया। केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव हैं और आज प्रचार का आखिरी दिन है। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ प्रचार अभियान में भाग लिया। उन्होंने इस दौरान वादा किया कि वह वायनाड

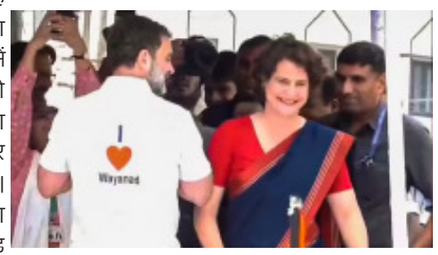

को दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाएंगे। बता दें, कांग्रेस महासचिव वाड्रा उपचुनाव में यूडीएफ की उम्मीदवार हैं। राहुल ने अपनी बहन के साथ सुल्तान बाथरी में अजम्पशन जंक्शन से चुनगम जंक्शन तक रोड शो किया। उसके बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, श्चुनौती के तौर पर मैं वायनाड को दुनिया का सबसे अच्छा पर्यटन स्थल बनाने में उनकी (प्रियंका गांधी) मदद करूंगा।श श्मुझे वायनाड ने राजनीति में प्यार का शब्द सिखायाश लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें सिखाया कि राजनीति में प्रेम शब्द का बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा, श्मैंने उस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन वायनाड के लोगों ने मुझे सिखाया कि इस शब्द की राजनीति में गहरी जगह है।श कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि नफरत और गुस्से से लड़ने के लिए प्यार और स्नेह ही एकमात्र हथियार हैं। सड़क के दोनों ओर दिखी लोगों की भारी भीड़ गौरतलब है, जब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली निकाली तो सुल्तान बाथरी में अजम्पशन जंक्शन से चुंगम जंक्शन तक सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ जमा हो गई। बता दें, रायबरेली की सीट पर चुनाव जीतने के बाद राहुल ने वायनाड की सीट छोड़ दी थी, जिसके बाद अब इस सीट पर वाड्रा को उम्मीदवार के तौर पर उतारा है।

देश को आरएसएस, मोदी और अमित शाह से खतरा: खड़गे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। खड़गे ने कहा कि हर पार्टी, हर नेता अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर भरोसा रखते हैं और उन्हें चुनाव जीतने की उम्मीद होती है। मुझे उम्मीद है कि गठबंधन गठबंधन शत–प्रतिशत जीतेगा और झारखंड में सरकार बनायेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के श्एक है तो सेफ हैश और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ श्बटेंगे तो कटेंगेश के नारे पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें तय करने दें कि कौन सा नारा चलेगा। हमने देश को सुरक्षित रखा है। उन्होंने आगे कहा कि अब वो लोग देश को तोड़ने आये हैं इसलिए ऐसी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। अगर वे कांग्रेस की तरह सबको साथ लेकर काम करते तो ऐसी नौबत नहीं आती। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनका इरादा एकता खण्त्म कर अपना प्रभुत्व दिखाने की कोशिश करना है। खड़गे ने कहा कि हर पार्टी, हर नेता अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर भरोसा रखते हैं और उन्हें चुनाव जीतने की उम्मीद होती है। मुझे उम्मीद है कि गठबंधन गठबंधन शत–प्रतिशत जीतेगा और झारखंड में सरकार बनायेगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में भी हम अच्छी स्थिति में हैं। सभी मिलकर काम कर रहे हैं और हमारा गठबंधन अपनी सरकार बनाएगा। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से खतरा है। खरगे ने मुंबई में 'संविधान बचाओ' सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि संसद में चर्चा और बहस की अनुमति नहीं है। खरगे ने कहा, ''प्रधानमंत्री कहते हैं 'एक हैं तो 'सेफ' हैं' जबकि (भाजपा के) अन्य नेता 'बंटेंगे तो कटेंगे' की बात करते हैं। किसे खतरा है? क्या कोई समस्या है? वास्तव में, देश को आरएसएस, भाजपा, मोदी और शाह से खतरा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए 'एक हैं तो 'सेफ' हैं' का जिक्र किया था और कांग्रेस पर अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

भविष्य के लिए

गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधिय को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो।

फिर भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर–बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है।

रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलनत्र के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि ा को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग–अलग भाषण तैयार किए थे– एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततरू उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है।ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

क्रिएट इन इंडिया के मायने

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे–रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं।इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य–संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृ ष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।

हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याध ुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च–मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू–राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू–राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत–प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड–19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है।यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी।जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, आइए हम सब मिलकर श्क्रिएट इन इंडियात्र यानी श्भारत में सृजन करेंश आंदोलन शुरू करें। ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक–सुध ार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पडने वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की प्रौद्योगिकियों ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावधान में श्क्रिएट इन इंडियाश चौलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चौलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल–विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ–साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है। लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है। 9अनुराग सक्सेना, नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं।9

भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता

ओमप्रकाश मेहता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधि ाक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है।पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता।इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध ा बनाए रखने तथा समय–समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है, इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है।संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात् अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक–दूसरे पर तीखी नजर है।आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल–आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है।आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है, इसी संभावना को दृष्टिगत रखते हुए दोनों ही संगठनों ने अपने–अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक–दूसरे से सम्बंधों पर गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, भाजपा ने जहां अपने शासित राज्यों में संघ की गतिविधियों पर तीखी नजर रखना शुरू कर दिया है, वही संघ ने और अधिक शाखाओं में वृद्धि कर इसे पूरे राष्ट्र में हर स्तर पर कायमी कर उन्हें सक्रिय करने का फैसला लिया है, ऐसी स्थिति में यदि यह माना जाए कि देश में भाजपा व संघ पृथक संगठन बन गए है, तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि भाजपा जहां सत्ता के मद में है तो संघ अपना पुरातन वजूद कायम रखने की चिंता में।अब इस स्थिति का परिणाम क्या होगा?

कांग्रेस से तुम हो तुम से कांग्रेस नही

शकील अखघ्तर

कांग्रेस ने नहीं समझा, दूर नहीं किया तो आगे भी उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस के मठाधीशों की यह कहानी लंबी है। लेकिन इसका तोड़ बहुत छोटा है। हाईकमान की सख्ती। क्षत्रपों को हमेशा बताते रहना कि कांग्रेस से तुम हो। तुम से कांग्रेस नहीं। कितने उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में तो कमलनाथ पागल ही हो गए थे। खुद को भावी मुख्यमंत्री लिखवाने लगे थे। बुरी तरह हरवाया मध्य प्रदेश। फिर बेटे को लेकर बीजेपी में जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस अभी भी उन पर कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं कर रही। हरियाणा में क्या हुआ?

हरियाणा में क्या हुआ? कोई नहीं समझ पा रहा। कांग्रेस ईवीएम को दोष दे रही है। हो सकता है। ईवीएम हमेशा शक के दायरे में रही। और कांग्रेस ही नहीं खुद भाजपा ने इस पर कई बार ऊंगलियां उठाईं। भाजपा नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने श डेमोक्रेसी एट रिस्क! कैन वी ट्रस्ट अवर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन? श पूरी किताब लिख दी थी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी ने इसकी भूमिका लिखी थी। किताब में ईवीएम को पूरी तरह बेईमानी का जरिया बताया गया था। आडवानी और दूसरे भाजपा नेताओं ने पूरे देश में घूम घूम कर ईवीएम का विरोध किया था। यह 2009 के लोकसभा चुनाव के भाजपा की हार के बाद की बात है।

कांग्रेस ने 2018 में इसके खिलाफ अपने राष्ट्रीय अधिवेशन (प्लेनरी) में प्रस्ताव पारित किया। अभी लोकसभा चुनाव के पहले भी सवाल उठाए। मगर इसे एक सबसे बड़ा मुद्दा बनाने का ज्यादा प्रयास कभी नहीं किया। मुद्दा उठाया। छोड़ दिया। अब हरियाणा की अविश्वसनीय हार के बाद फिर सवाल उठाया है।

सही है। उठाना चाहिए। लेकिन कुछ सवाल खुद से भी करना चाहिए। एक, हरियाणा एक ऐसा राज्य था जहां कांग्रेसी बहुत दबंग थे। दस साल के भाजपा शासन में भी उनके कोई काम रुकते नहीं थे। कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। किसी के यहां ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई के बड़े छापे कभी नहीं पड़े। जैसे उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ता परेशान रहे वैसे हरियाणा में नहीं हुए। तो ऐसे राज्य में अफसर ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ की कितनी हिम्मत कर सकते हैं? और उस स्थिति में जहां खुद बीजेपी को जीत का यकीन नहीं हो। कांग्रेस जोश में बीजेपी पस्त फिर अफसरों की हिम्मत कैसे पड़ी?यह हम पहले भी लिख चुके हैं कि करने वाला तो आदमी होता है। और अगर उसे डर हो कि यह सब चीज नोटिस की जा रही है और कल गड़बड़ करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा तो वह गलत काम करने से डरेगा। हरियाणा में यह कैसे हुआ इसे कांग्रेस को अपनी भी एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर समझाना पड़ेगा। चुनाव आयोग में तो जाएं। मगर खुद भी वन्स एंड फारएवर इस मुद्दे को हल करना होगा।

जब 2018 में दिल्ली के कांग्रेस अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित किया गया था। ईवीएम के खिलाफ तब राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हमने तब भी लिखा। 2019 कांग्रेस के लोकसभा हारने के बाद भी लिखा कि एक उच्चस्तरीय कमेटी जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ हों, चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त हों, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज हों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हों इन सबको लेकर बनाना चाहिए। कांग्रेस की अभी इतनी खराब स्थिति नहीं आई है कि उसे लोग नहीं मिलें। ऐसी कमेटी पूरी स्टडी करके रिपोर्ट लेकर आती है तो उसका असर होगा। सुप्रीम कोर्ट जाने का भी एक मजबूत आध ार होगा। अभी भी बना सकती है। हरियाणा एक बड़ा आधार है। इससे माहौल भी बनेगा और एक बड़ा इश्यू सैटल होने में मदद भी मिलेगी।लेकिन सिर्फ इस एक मुद्दे पर अड़े रहने से कांग्रेस का कुछ फायदा होने वाला नहीं है। यह वही मसल होगी कि ज् दिल तो बढ़ता है तबीयत तो बहल जाती है! बीमारी का इलाज नहीं होगा। जब तक बीजेपी सरकार में है ईवीएम हटाने का कोई सवाल ही नहीं। वह हटाने ही नहीं देगी। इसके लिए कांग्रेस को विपक्ष को सरकार में आना होगा। इसी ईवीएम के असर को रोककर कम करके। अधिकारियों पर दबाव बनाकर कि खबरदार कोई गड़बड़ी करने की कोशिश की तो! लेकिन अब बस यही है कि कांग्रेस करती नहीं है। हरियाणा जहां उसके नेता, कार्यकर्ता इतने दबंग थे वहां नहीं कर पाए तो दूसरे राज्यों जैसे मान लो गुजरात ही है जहां कांग्रेसी सबसे ज्यादा कमजोर है वहां क्या कर पाएगी। राहुल ने हरियाणा में भी कहा और हार के बाद बुधवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया में भी कहा मेरे बब्बर शेर! तो यह शेर जब हरियाणा में धांधली नहीं रोक पाए तो दूसरी जगह जहां इनका शेरपन कम होगा वहां कैसे रोकेंगे?

राहुल को कांग्रेस को पाइंट पर आना चाहिए। राहुल ने हरियाणा में कुमारी सैलजा और भूपेन्द्र हुड्डा के स्टेज पर हाथ मिलवाते हुए कहा कि मेरे शेर कभी कभी लड़ जाते हैं। फिर इन्हें एक करवाना मेरा काम होता है। सुनने में यह डायलग अच्छा है। मगर बेमतलब। राहुल ने यह कोई पहली बार हाथ मिलवाए।राजस्थान जो ठीक इसी वजह से कांग्रेस हारी वहां भी ऐसे ही गहलोत और सचिन पायलट के हाथ मिलवाए थे। मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ और ज्यतिरादित्य सिधिंया के। छत्तीसगढ़ में आखिरी समय में टीएस सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाया।

उत्तराखंड में चुनाव से पहले हरीश रावत ने कैसे कैसे नाटक किए। जल समुद्र मगरमच्छ! पता नहीं कौन कौन से बिम्ब बनाकर खुद को पीडिध्त बताया। पूरी जिन्दगी वे ऐसी ही राजनीति करते रहे। और जब रो रोकर मुख्यमंत्री बन गए तो कांग्रेस के नेताओं के ही फोन उठाना बंद कर दिए। 2016 में जब स्टिंग विवाद में हरीश रावत सुप्रीम कोर्ट से जीत गए तो हाई कमान ने हरीश रावत से विधानसभा भंग करके चुनाव करवाने को कहा। उनके पक्ष में सहानुभूति लहर थी। जीते जाते। मगर उस समय तक वे कांग्रेस के मठाधीश बन गए थे। क्योंमानते? नहीं माने। और फिर 2017 में जो चुनाव हुए उसके बाद से कांग्रेस उत्तराखंड में आई ही नहीं।

कांग्रेस के मठाधीशों की यह कहानी लंबी है। लेकिन इसका तोड़ बहुत छोटा है। हाईकमान की सख्ती। क्षत्रपों को हमेशा बताते रहना कि कांग्रेस से तुम हो। तुम से कांग्रेस नहीं। कितने उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में तो कमलनाथपागल ही हो गए थे। खुद को भावी मुख्यमंत्री लिखवाने लगे थे। बुरी तरह हरवाया मध्य प्रदेश। फिर बेटे को लेकर बीजेपी में जा रहे थे। लेकिन कांग्रेस अभी भी उन पर कोई एक्शन लेने की हिम्मत नहीं कर रही।

हरियाणा में क्या हुआ? कई दिनों तक कुमारी सैलजा कोप भवन में बैठी रहीं। भाजपा और बीएसपी प्रचार करते रहे कि दलित का अपमान हुआ है। मगर सैलजा ने कांग्रेस के पक्ष में कुछ नहीं बोला। उल्टे चौनल चौनल जाकर रोती रहीं कि मुझे टिकट नहीं दिया। इन्चार्ज मुझसे बात नहीं करते हैं। हुड्डा के समर्थक अपने चुनाव प्रचार में बुलाते नहीं।दूसरे महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने भी इसी राग को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री बनना है। सैलजा को भी बनना। सुरजेवाला को भी भूपेन्द्र हुड्डा अटल बिहारी वाजपेयी का डायलग ले आएज् न टायर्ड हूं न रिटायर। डायलग भी अपने नहीं ला पाते। वह भी बीजेपी के।

और सब मुख्यमंत्री बनने के लिए चौनल दर चौनल इंटरव्यू देने लगे। गोदी मीडिया की चांदी हो गई। तीनों के खूब इंटरव्यू लिए और गुटबाजी को खूब हवा दी।अब बीजेपी जीत गई। जिसकी उम्मीद खुद मोदी और अमितशाह को नहीं थी। सारे एक्जिट पोल, ग्राउन्ड रियलटी सब चीख चीख कर कह रहे थे कि बीजेपी गई। वह आ गई।

क्या मतलब? विश्लेषण अभी बहुत होंगे। कांग्रेस भाजपा दोनों को करीब करीब बराबर वोट मिले हैं। 39– 39 प्रतिशत। भाजपा के केवल 0.8 (पाइंट आठ) प्रतिशत ज्यादा हैं। मगर भाजपा से नाराज लोगों का वोट बंटा। करीब 20 प्रतिशत वोट बाकी दलों जो सब भाजपा के खिलाफ लड़ रहे थे मिला। और वह अगर यह मान लें कि कांग्रेस के मैनेजमेंट के बाहर की चीज थी। जो वास्तव में थी नहीं, कुछ किया जा सकता था। अगर समय रहते समझते तो। लेकिन चलिए वह छोडिए जो यह मुख्यमंत्री बनने पर बयानबाजी और कांग्रेस को दलित विरोधी साबित करने का खेल हुआ यह हार का निर्णायक कारण रहा।ईवीएम मुद्दा है मगर अपनी गुटबाजी उस पर काबू न पा पाने की कमजोरी को अगर कांग्रेस ने नहीं समझा, दूर नहीं किया तो आगे भी उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

युवा मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित करायें-डीएम

संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश पर अर्हता तिथि 01.01. 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की फोटो युक्त निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन ने तहसील सदर में दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के उद्देश्य से आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हम जनपद में विशेष एवं प्रभावी रणनीति बनाकर युवा मतदाताओं को विशेषकर कॉलेज के छात्र–छात्राओं के नाम अधिक से अधिक फार्म–6 भरवा कर मतदाता सूची में सम्मिलित करवाएंगे, जिससे जनपद में वोटिंग प्रतिशत बढ़ सके और सभी युवा पूर्ण रूप से मतदान कर सके।

सभी युवा मतदाता विशेषकर छात्र और छात्रायें मतदाता सूची में अपना नाम फार्म–6 भरकर शामिल करायें और मतदान प्रक्रिया में अवश्य भाग लें तथा आस–पास के लोगों को भी इसकी जानकारी दें। जिलाधिकारी ने कहा कि जिनकी आयु अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो या हो रही हो का नाम यदि निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है तो विशेष अभियान की तिथियां क्रमशः 09 नवम्बर, 10 नवम्बर, 23 नवम्बर, 24 नवम्बर में अपने मतदेय स्थल पर पहुँच कर फार्म–6 भरकर सम्बन्धित बीएलओ के पास जमा कर सकते है तथा जिनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है में यदि कोई संशोधन हो तो फार्म–8 भरकर सम्बन्धित बीएलओ के पास जमा कर सकते है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन नामावलियों का संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से नए मतदाताओं का पंजीकरण प्रभावी पूर्ण ढंग से किया जाएगा।

दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28.11.2024 तक है। इसके लिए प्रभावी रणनीति के माध्यम से हम समस्त डिग्री कॉलेज में एवं अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों में एक कोऑर्डिनेटर की नियुक्ति एवं हेल्प डेस्क की स्थापना कराएंगे, एनएसएस और स्काउट गाइड का पूर्ण रूप से सहयोग लेंगे। इंटर कॉलेज में जागरूकता के लिए वोटर रजिस्ट्रेशन कक्षा की स्थापना की जाएगी। आयोग द्वारा उक्त अवधि में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट के साथ विशेष स्थान पर दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी, इसके लिए चार विशेष तिथियां क्रमशः 9, 10, 23, 24 नवंबर 2024 निर्धारित की गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्र–छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों व अन्य सम्भ्रान्त नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलायी। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज डॉक्टर मोहम्मद अनीस द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, अतिरिक्त उप जिलाधिकारी जितेंद्र यादव सहित डॉक्टर विंध्याचल सिंह, धर्मेंद्र कुमार ओझा, अखिलेश, खुर्शीद अहमद आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण–प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन ने पूरेकेशवराय स्थित ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये कहा। उन्होंने गोदाम में लगे सील लॉक को देखा एवं सम्बन्धित अधिकारी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग सुजीत कुमार राय भी उपस्थित रहे।

असहाय लोगों का सहारा बनेगा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम कार्यालय

कौशाम्बी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम कुमार के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय में लंबित आपराधिक प्रकरणों में शीघ्र न्याय व विचारण हेतु जिला मुख्यालय कौशाम्बी में लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन मा. जनपद एवं सत्र न्यायाधीश कौशाम्बी श्री अनुपम कुमार के कर कमलों द्वारा अपर जिला न्यायाधीश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्णिमा प्रांजल व अन्य समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय, कौशाम्बी में लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम कार्यालय की स्थापना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति महिलाओं तथा निशक्त वर्ग के लोगों, बच्चों व जेल में बन्द कैदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने की दृष्टि से की गई है। जिसका कार्य संचालन चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल अमित कुमार मिश्र के निर्देशन में सम्पन्न किया जा रहा है। लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम में अख्तर अहमद खान (डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल), अंकित एवं तिलक नारायण (असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कान्सिल) की नियुक्ति हुई है जिन्होंने अब तक अनेक बंदियों को गुणवत्ता पूर्ण व व्यवसायिक दक्षता से परिपूर्ण विधिक सहायता उपलब्ध कराई है। इस कार्य से राज्य के लोक कल्याणकारी दायित्व की पूर्ति करने में सहायता प्रदान की जा रही है। इस प्रणाली के माध्यम से जेल में निरुद्ध बंदियों, महिलाओं एवं बालकों तथा ऐसे व्यक्ति जो आपराधिक मामलों में अपने लिये अधिवक्ता नियुक्त करने में सक्षम नहीं हैं उनके विचारण प्रकरणों में प्रतिरक्षा करने हेतु इस सिस्टम के माध्यम से अनुभवी अधिवक्ता प्रदान किए जाते हैं जिससे जेल में निरुद्ध बंदियों, महिलाओं एवं बालकों को उचित न्याय मिल सके तथा प्रकरण का शीघ्र निराकरण किया जा सके। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुपम कुमार ने लीगल एड डिफेंस कांउसिल्स को अपने कार्य को कुशलता पूर्वक करने के लिए प्रेरित व उत्साहित करते हुए कहा कि लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम कार्यालय निश्चित रूप से निर्धन और असहाय लोगों का सहारा बनेगा और पीड़ितों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस सिस्टम से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से मुझे पूरा विश्वास है कि वे अपने उत्तरदायित्व का पूर्ण निर्वहन करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को न्याय दिलाने का कार्य करेंगे। अपर जनपद न्यायाधीश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पूर्णिमा प्रांजल ने जानकारी देते हुए बताया कि लीगल एड डिफेंस कांउसिल सिस्टम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय हासिल करने से वंचित नहीं किया जा सके ताकि कानूनी प्रणाली का संचालन सभी के लिए समान अवसर के आधार पर हो। सिस्टम के द्वारा बचाव पक्ष को गिरफ्तारी के पूर्व रिमाण्ड एवं बेल के स्तर पर, विचारण व अपील आदि की कार्यवाही में निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आमजन–मानस से अपील किया कि निःशुल्क एवं सक्षम कानूनी सेवाओं के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी में नियुक्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स से सम्पर्क कर इसका लाभ उठाएं। इस अवसर पर मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के सम्मानीय अध्यक्ष एडवोकेट राकेश जायसवाल व महामंत्री लक्ष्मीकांत त्रिपाठी व कोषाध्यक्ष रामसागर द्विवेदी, तथा अधिवक्तागण राजकिशोर शुक्ला एडवोकेट, संदीप अवस्थी, संदीप द्विवेदी, अंकित त्रिपाठी, उपेन्द्र नाथ शुक्ल, शिवेन्द्र द्विवेदी उपस्थित रहें।

संक्षेप

अजुहा में बजाज शोरुम का शुभारंभ

अजुहा, कौशाम्बी। अजुहा कस्बे में बजाज शोरूम के नए काउंटर का उद्घाटन सोमवार को एजेंसी के मालिक व्यापार मंडल अध्यक्ष रमेश अग्रहरि ने विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद शोरुम का फीता काटकर किया। एजेंसी मालिक रमेश अग्रहरि ने बताया कि बजाज कंपनी की सभी प्रकार का दो पहिया वाहन यहां उचित दाम पर उपलब्ध है। फाइनेंस की भी विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि बजाज की स्कूटी भी यहां ग्राहकों को उचित मूल्य पर उपलब्ध करायी जाएगी। इस दौरान अतिथि के रूप में पूर्व चेयरमैन राजाराम अग्रहरि , अशोक कुमार , राकेश अग्रहरी , शिव कोटी लाल , रवी कुमार वैश्य सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बीस दिन से लापता भाई

सैनी, कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के बिदनपुर ककोढ़ा निवासी राजेश कुमार पाल ने बताया की उसका जुड़वा भाई उमेश कुमार पाल 30 सितंबर की लखनऊ से घर आया और 1 अक्टूबर को किसी का फोन आने पर दोपहर 12 बजे घर से चला गया। उसके बाद से आज तक घर नहीं लौटा है। उसके बाद से उसका फोन नंबर भी लगातार बंद बता रहा है। एक दो दिन तक नाते रिश्तेदारी में खोजने के पश्चात कोखराज थाना में भाई के गायब होने की सूचना दी थी। जिस पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली थी। लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी उसका सुराग नहीं लग पाया है। सोमवार को राजेश पाल ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर भाई के अपहरण होने की आशंका जताते हुए कार्यवाही की मांग की है।

युवक की बाइक किया पार

चायल, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के समसपुर गांव में दंगल देखने गए एक युवक की बाइक चोर ने पार कर दी। थोड़ी देर बाद बाइक वहां न देख मालिक के होश उड़ गए। उसने बाइक की काफी खोजबीन की। सुराग न लगने से निराश होकर उसने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस चोर के सुराग में जुट गई है।चरवा क्षेत्र के जुगवा मजरा पंसौर गांव निवासी राजकुमार पुत्र ज्ञान सिंह मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है।उसके अनुसार वह रविवार को समसपुर गांव दंगल देखने के लिए गया था। वह अपनी बाइक को एक किनारे खड़ी करके कुश्ती देखने लगा। थोड़ी देर बाद लौटने पर वहां बाइक न देख उसके होश उड़ गए। उसने बाइक की काफी खोजबीन की। कोई सुराग न लगने से निराश होकर उसने थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस चोर के सुराग में जुट गई है।

बाल क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारंभ

चित्रकूट(आरएनएस)। खंड स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम कर्वी में डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सदर एसडीएम पूजा साहू एवं क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विजय कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। सरस्वती वन्दना के साथ स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विशेष कार्यक्रम में यूपीएस मऊ ब के बच्चों ने दीवारी नृत्य एवं छात्राओं ने डांडिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी ने अतिथियों का बैज, कैप तथा माला पहनाकर स्वागत किया।मुख्य अतिथि एसडीएम ने खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली। विगत वर्ष के चौम्पियन छात्र ने मशाल जुलूस लेकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दौड़ पूरी किया। खेल शपथ दिलाई। अतिथियों ने झंडा ऊंचा कर रैली का उद्घाटन किया। एसडीएम पूजा यादव ने कहा कि खेल में कोई हार, जीत नहीं होती है। मेहनत और ईमानदारी से सभी बच्चे खेलें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क होता है। खेल को खेल भावना से खेलें। क्षेत्रीय कीड़ा अधिकारी ने बताया कि यहां कक्षा पांच पास कर जो भी बच्चे खेलकूद में रुचि रखते हो उनको फॉर्म भराकर उनका ट्रायल कराया जाएगा। प्राथमिक स्तर में 50 मीटर की दौड़ बालिका संवर्ग की मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ कराया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक बालक, बालिका वर्ग में 50, 100 व 200 मीटर की दौड़, कबड्डी, खो खो, कुश्ती, लंबी कूद, पूर्व माध्यमिक स्तर बालक बालिका में भी सभी प्रतियोगिताएं हुई। प्रथम, द्वितीय स्थान पाने वाले बच्चे जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस मौके बृजेश सिंह, दिलीप सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अशर्फीलाल सिंह, अभिषेक केशरवानी, राज किशोर सिंह, शशिकांत पांडेय, राजेश सिंह, व्यायाम शिक्षक दयानंद सिंह, महेंद्र सिंह, लवलेश सिंह, प्रेमचन्द्र शिवहरे, राम प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

अलग दंपत्तियों को कराया एक

सोनभद्र(आरएनएस)। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में "मिशन शक्ति" नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 06 जोड़ा पति–पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति–पत्नी राजी–खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए। इसके अतिरिक्त 01 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति–पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह–समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी–खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

पुलिस मुठभेड़ में 2 पशु तस्कर हो गयें घायल

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज, तरयासुजान व साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्कर घायल हो गए। पुलिस टीम ने घायल पशु तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से पिकप वाहन, 06 राशि गोवंशीय पशु, अवैध शस्त्र, लगभग 10 हजार रुपये नगद बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में कुशीनगर पुलिस द्वारा गोवंशी पशुओं की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 10 सितम्बर 2024 की रात थाना तमकुहीराज, थाना तरयासुजान व साईबर थाने की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा गाजीपुर बैरियर के पास घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक पिकप वाहन आते दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन में सवार व्यक्ति कुछ दुर पहले रुककर लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायर करने लगे। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी। जिसमें वे घायल हो गये।घायल व गिरफ्तार अभियुक्तों को ईलाज हेतु पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल भेजा गया है। बरामदगी, गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 289ध्2024 धारा 109ध्61(2) बीएनएस व 3ध्5एध्5बीध्8 गोवध नि0 अधि0 व 11 पशु क्रुरता नि0 अधि0 व 3ध् 4ध् 25ध् 27 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुट गई है। पुलिस टीम ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का एक संगठित गिरोह है। जो एनएच 28 के रास्ते गोवंशीय पशुओं को वाहनों में क्रुरता पूर्वक लादकर बिहार आदि राज्यों में ले जाकर गो–तस्करी का कार्य करते है। बरामदगी, गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 तमकुहीराज अमित कुमार शर्मा मय टीम, प्र0नि0 साइबर सेल मनोज कुमार पन्त मय टीम, प्र0नि0 तरयासुजान राज प्रकाश सिंह मय टीम, थानाध्यक्ष सेवरही श्रीप्रकाश राय मय टीम, व0 उ0 नि0 राकेश कुमार यादव, उ0नि0 राजकपूर, उ0 नि0 अरसलान अहमद, उ0नि0 नवनीत राय, उ0नि0 संदीप सिह, हे0का0 कमलेश कुमार, हे0 का0 लाल मोहन चौहान, का0 सचिन विश्वकर्मा, का0 रजनी कान्त, का0 रविकान्त शामिल रहे।

दुर्घटना से देर भली, अपनाएं यातायात नियम

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका परिषद कर्वी अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, अपर एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी की उपस्थिति में मंगलवार को धनुष चौराहा से हरी झंडी दिखाकर यातायात माह नवंबर का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की छोटी–छोटी बातें हैं जो लोग नजरअंदाज करते हैं। हेलमेट, सीट बेल्ट लगाना, नशे में वाहन न चलाना, पैदल चलते समय फुटपाथ का प्रयोग, मुडते समय इंडिकेटर का प्रयोग, वाहन चलाते समय स्टंटबाजी नहीं करना आदि को ध्यान में रखें। जिससे दुर्घटना नहीं होगी। इसमें परिवर्तन लाएं। युवाओं को आगे आना चाहिए। इसमें जागरूकता के लिए बेसिक नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि दो–चार मिनट देरी ही सही खुद व अन्य को भी सुरक्षित रखें। आसपास पड़ोस को भी बताएं कि नियम से चलें तो कोई दुर्घटना नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि यह पखवाड़ा पूरा महीना चलेगा। इसमें सहयोग करें ।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस यातायात जागरूकता के रूप में पहले यातायात सप्ताह मनाता था। इसकी सफलता को देखते हुए यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें लोगों को जागरुक होकर नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक जीवन से जुड़ा है। जिम्मेदारी है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोड एक्सीडेंट में लोग मरते हैं। इससे बचाव के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन जरूरी है। कहा कि लोग हेलमेट कैरियर व हैंडल में टांग लेते हैं। पुलिस को देखते ही सिर पर रख लेते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। सिर पर रखकर बेल्ट भी लगाना होता है। हेलमेट पुलिस से नहीं अपनी जान के लिए लगाएं।

अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यातायात माह इसलिए मनाया जाता है कि दुर्घटना में कमी हो। चालान किया जाता है इसका उद्देश्य दंडात्मक नहीं है। इसमें सुधार के रूप में किया जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन को देखते हुए इसका पालन करना चाहिए। दुर्घटना का मुख्य कारण ट्रैफिक नियमों का पालन न करना है। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी ट्रैफिक राजेश द्विवेदी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भू–माफियाओं का कब्जा बरकरार

कुशीनगर। जनपद के कप्तानगंज तहसील अन्तर्गत भू–माफियाओं का वर्चस्व बरकरार है। नतीजतन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महत्वपूर्ण अभियान में शुमार एंटी भू–माफिया यहां पूरी तरह हवा–हवाई साबित हो रहा है। कहना न होगा कि बीते दिनो सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश अग्रहरी द्वारा कप्तानगंज में सिलिंग की भूमि पर भू–माफियाओं का अवैध कब्जा से संबंधित मुद्दा उठाने के बाद मीडिया ने इस प्रकरण को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

इसके बाद तहसील प्रशासन की कुंभकर्णी निद्रा टूटी और एक भू–माफिया के कब्जे से सिलिंग की जमीन को मुक्त कराते हुए नगर पंचायत कप्तानगंज को सुपुर्द किया गया था लेकिन 10 माह बीत जाने के बाद भी नगर पंचायत का उस भूमि पर बोर्ड नही लगा है। इसके अलावा आज भी लगभग ग्यारह एकड सिलिंग की भूमि पर भू–माफियाओं का अवैध कब्जा बरकरार है। इन भू–माफियाओं के खिलाफ रामनरेश अग्रहरी ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है।

➤ मुख्यमंत्री जी! कप्तानगंज के भू–माफियाओं पर कब होगी कार्रवाई?।

➤ समाजसेवी रामनरेश अग्रहरी ने सीएम योगी को शिकायती पत्र भेजकर सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने की लगाई गुहार।

मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड डाक से भेजे गये शिकायती पत्र मे सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश अग्रहरी ने लिखा है कि जनपद के नगर पंचायत कप्तानगंज के बसहिया उर्फ कप्तानगंज स्थित सिलिंग की भूमि आराजी संख्या – 687, 688, 3295, 3324, 3336 व 3347, 3348, 3351(ग), 3352, 3369, 3449, 3822 (क), 3843, 3846, 4048, 4050, 4087, 4078, 4081 व 4211(द) सीलिंग आदि नम्बरों के लगभग ग्यारह एकड जमीन पर भू–माफियाओं द्वारा वर्षो से अवैध कब्जा किया गया है। पैमाईश कराकर इन अवैध कब्जाधारियो से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जाना जनहित मे अति आवश्यक है। रामनरेश ने अपने पत्र में लिखा है कि इस प्रकरण में मणि बहादुर दास बनाम डीडीसी व अन्य द्वारा हाईकोर्ट इलाहाबाद में रिट दाखिल कर स्टे लिया गया जबकि याचिकाकर्ता की वर्षो पहले मृत्यु हो चुकी है।

छात्रो की टीम को दी बधाईयां

कुशीनगर। भारत विकास परिषद तथागत शाखा की भारत को जानो सीनियर और जूनियर संवर्ग, तथा राष्ट्रीय समूह गान में प्रतिभागियों ने प्रांत स्तर पर शिव शक्ति लान गोरखपुर में प्रतिभागिता की है। जिसमें तथागत शाखा कुशीनगर को भारत को जानो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला तथा अगस्त शाखा कुशीनगर से इस जूनियर संवर्ग प्रखर में रियल पैराडाइज की टीम प्रथम स्थान प्राप्त करके प्रांत में प्रतिभागिता कर रही थी और राष्ट्रीय समूह गान में तथागत शाखा कुशीनगर से जेपी इंटरमीडिएट कॉलेज कप्तानगंज के बच्चों ने प्रतिभा गीता किया जो पूरे प्रांत स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथागत शाखा कुशीनगर के जिला अध्यक्ष डॉ राजीव मिश्रा सचिव राधा रमन गाड़िया कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा सारस्वत , शैलेंद्र दत्त शुक्ल,डा राकेश गुप्त रहै।

जनपद स्तरीय ''युवा उत्सव'' एवं ''साइंस मेला'' सम्पन्न

सोनभद्र(आरएनएस)। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, जनपद–सोनभद्र के तत्वावधान में जनपद स्तरीय ''युवा उत्सव'' एवं ''साइंस मेला'' का आयोजन शनिवार को राजकीय बालिकाइण्टर कालेज, राबर्ट्सगंज, में किया गया। इस आयोजित' 'युवा उत्सव''में जनपद के समस्त विकास खण्डोंध्शैक्षिक संस्थानों से 15 से 29 वर्ष की मध्य आयु वर्ग के कुल 83 पुरूष एवं महिला कलाकारों तथा''साइंस मेला''में जनपद के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कालेजों से कुल 98 पुरूष एवं महिला युवा वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। युवा उत्सव प्रतियोगिता सांस्कृतिक अवयव के अन्तर्गत लोकनृत्य (समूहध्एकल), लोकगीत (समूहध्एकल) एवं जीवन कौशल अवयव के अन्तर्गत कविता, कहानी लेखन, चित्रकारी, डिक्लेमेशन तथा थीमेटिक अवयव के अन्तर्गत साइंस मेला (समूहध्एकल) की विधाओं में आयोजित किया गया है। ''साइंस मेला'' भारत सरकार द्वारा आवंटित थीम–प्ददवअंजपवद पद ैबपमदबम ंदक ज्मबीदवसवहल की प्रतियोगिताओं को सम्मिलित कर आयोजित किया गया। आयोजन का शुभारम्भ कैप्टन आशुतोष चौधरी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी तथा जय राम सिंह,जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र ने प्रतिभागी कलाकारों तथा युवा वैज्ञानिकों को सम्बोधितकरते हुए कहा कि आप इस प्रतियोगिता में विजयी होकर आगे की प्रतियोगिताओं क्रमशः मण्डल स्तर, प्रदेश स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर विजेता बनें तथा अपने माता–पिता व जनपद का नाम रोशन करें। इन विजेता कलाकारों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रमोद कुमार प्रधानाचार्य, राजकीय पालिटेक्निक सोनभद्र एवं वन्दना सिह प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबट्सगंज द्वारा संयुक्त रूप से वितरित किया गया। शशि भूषण शर्मा, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी द्वारा इस युवा उत्सव के विजेता खिलाड़ियों को शुभकामना सहित आर्शीवाद देते हुए कहा कि आप क्रमशः उच्च स्तर पर प्रतिभाग कर विजयी बनें एवं राष्ट्र स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव–2025 में प्रतिभाग कर अपने जनपद का नाम रोशन करें साथ ही इस प्रतिस्पर्धा में जो कलाकर विजयी नहीं हो सके हैं उनका उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि वे अत्यधिक लगन व मेहनत से तैयारी करें तथा आगामी वर्षो में प्रतिभाग कर विजेता बनें। इस युवा उत्सव के विजेता कलाकारों द्वारा मीरजापुर में आयोजित मण्डल स्तरीय युवा उत्सव की प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग किया जाएगा।

इस अवसर पर अमरेश चन्द्र त्रिपाठी, युवा कल्याण विभाग के प्रदीप कुमार सिंह, व्यायाम प्रशिक्षक, रवि शंकर कुशवाहा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राबर्ट्सगंज, धर्मेन्द्र कुमार सिंह क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दुद्धी, अनुज त्रिपाठी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी घोरावल, महफूज अली खान कनिष्ठ सहायक, जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार विश्वकर्मा, अवधेश कुमार, सहित आदि लोग उपस्थित रहें। निर्णायक के रूप में सुभाष कुमार गौतम, दिवाकर सिंह एवं निशा सिंह ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी म्योरपुर विकास दूबे द्वारा किया गया।

गुजरात से आए भक्तों ने रामलला को समर्पित किया उपहार

अयोध्या(आरएनएस)। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में रामलला के भक्तों के आने का सिलसिला लगातार चल रहा है। इस दौरान राम भक्त तरह–तरह की वस्तुएं रामलला को समर्पित भी करते हैं आज गुजरात से कुछ राम भक्तों का दल अयोध्या पहुंचा जहां पर भगवान राम लला के पूजन अर्चन के लिए सात धातु से बनी हुई हनुमान घंटी भेंट किया है एक विशेष घड़ी भी गुजरात के राम भक्तों ने रामलला को भेंट की जो स्कंद पुराण में भगवान राम के 12 नाम पर समय बताती नजर आएगी भगवान राम लला को दीपावली के उपरांत उपहार स्वरूप शंख भी भेंट किया गया है।

इसे गुजरात के अंबाजी शक्तिपीठ में पूजन अर्चन के बाद अहमदाबाद बीसीसीआई के अध्यक्ष जय शाह ने पूजन अर्चन के बाद अयोध्या के लिए रवाना किया था। गुजरात के भोले ग्रुप के द्वारा रामलला को दीपावली के मौके पर कई अहमवस्तुएं भेंट की गई है जिसमें प्रमुख रूप से शंख हनुमान घंटी और इत्र है।

गुजरात के राम भक्त दिवेश पटेल ने बताया कि हम गुजरात से नौ लोग आए हैं गुजरात से हम लोग विधि विधान पूर्वक शक्तिपीठ में पूजन अर्चन कर सात धातु से बनी हनुमान घंटी प्रभु राम को अर्पित करने के लिए आए हैं इसके अलावा एक घड़ी है और इत्र भी है दीपावली का उपहार हम लोग प्रभु राम को अर्पित करने आए हैं प्रभु राम के स्कंद पुराण के अनुसार जो 12 नाम अंकित हैं उन नाम को घड़ी पर अंकित किया गया है। इन सभी सामग्रियों का शक्तिपीठ में पूजन अर्चन किए हैं। इतना ही नहीं अहमदाबाद में बीसीसीआई के अध्यक्ष जय शाह ने भी इसकी पूजन अर्चन की है हम लोगों को बहुत अच्छा लग रहा है आज हम लोग प्रभु राम को इत्र घड़ी और घंटी संख समर्पित किए हैं। यह उपहार दीपावली का उपहार है।

लूट का खुलासा नही कर सकी पुलिस

सुलतानपुर। थाना बल्दीराय पुलिस बीस दिन पूर्व हुए पचास लाख की लूट का खुलासा अभी तक नही कर सकी है पीड़ित परिवार आज भी दहशत में है। घटना क्रम मे बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे मिर्जा मजरे सदुल्लापुर में विगत दो अक्टूबर को जरगाम पुत्र अंसार के मकान में सरेशाम छः बजे तीन नकाबपोश बदमाशो ने घुसकर लूटपाट की यही नही बदमाशो ने लूटपाट का विरोध करने पर जरगाम की पत्नी महनाज को चाकू से हमला कर घायल कर दिया, गृहस्वामी जरगाम ने इस घटना की तहरीर थाना में दी पुलिस तत्काल हरकत में आई और पीड़ित के मकान पर कई दिन तक पुलिस का पहरा लगा कर परिवार को सुरक्षा दी। इसी के साथ लूटकाण्ड की गुथ्थी उलझ गई पुलिस मामले को ठन्डे बस्ते में डाल दिया।

"स्वर्णिम सोनभद्र" का विमोचन

सोनभद्र(आरएनएस)। जिला मुख्यालय पर उरमौरा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सोनभद्र परिसर में शनिवार को डॉ बृजेश कुमार सिंह ष्महादेवष् शिक्षक पीएमश्री कम्पोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां, सोनभद्र द्वारा लिखित पुस्तक ''स्वर्णिम सोनभद्र'' का विमोचन किया गया। इस पुस्तक से सोनभद्र के बारे में जानने में काफी सहूलियत मिलेगी।

डॉ बृजेश कुमार सिंह ''महादेव'' की पुस्तक ''स्वर्णिम सोनभद्र'' का विमोचन जागृति अवस्थी मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र, शेषबाला वर्मा मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) विंध्याचल मंडल, मृदुल आनंद पाण्डेय डायट प्राचार्यध्जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र, राकेश कुमार तिवारी मंडलीय समन्वयक एमडीएम विंध्याचल मंडल, ओम प्रकाश त्रिपाठी राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक, डॉ अरमा देवी, डॉ ऋचा ओझा, राजेश मौर्य डायट प्रवक्ता, देवेंद्र गंगवार जिलामंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

➤ सोनभद्र के बारे में जानने के लिए उपयोगी साबित होगी ''स्वर्णिम सोनभद्र''

➤ सीडीओ, एडी बेसिक व डायट प्राचार्य ने संयुक्त रूप से किया विमोचन

के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। सभी लोगों ने इस पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि सोनभद्र के बारे में जानने के लिए यह पुस्तक बहुत ही उपयोगी साबित होगी ।बता दें कि भरहरी सोनभद्र निवासी डॉ बृजेश महादेव की एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। आप एशियन एजुकेशन अवार्ड, नेशनल बिल्डर्स अवार्ड व राज्य आईसीटी के साथ दर्जनों सम्मान पत्र प्राप्त किए हैं। आप जनपद के नवाचारी शिक्षक के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त स्काउट मास्टर भी हैं और पत्रिकाओं का सम्पादन भी करते हैं।डॉ बृजेश महादेव ने बताया कि सोनभद्र जनपद पर यह मेरी पहली पुस्तक है जो जनपद के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व प्राकृतिक पहलुओं को समेटे हुए है। विमोचन के अवसर पर डायट प्रवक्तागण सर्वश्री नीरज शर्मा, जयेन्द्र शंकर मिश्रा, सबनम, अवधेश कुमार, हरिवंश सिंह, हीरालाल प्रजापति, राज कुमार, सौरभ सिंह, जिज्ञासा यादव, सुनिल कुमार मौर्य, शंकर सिंह, मनोज कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी द्वय सर्वश्री अशोक कुमार सिंह, बृजेश कुमार सिंह, धन्नजय सिंह रहै।

संसद में खाद की किल्लत का मुद्दा प्राथमिकता में

प्रयागराज। सांसद उज्जवल रमण सिंह जमुनापार क्षेत्र के लगातार दौरें में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए और उनकी समस्या समाधान का प्रयास भी किया लेकिन समस्याएँ बहुत ज्यादा है पुलिस थाना ,तहसील, बिजली तो आम समस्या बनी है क्योंकि अधिकारी निरंकुश हैं जनता की समस्या को कोई सुनने वाला नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने डीएपी खाद की सप्लाई में 40: कटौती से किसानों के लिए डीएपी खाद की किल्लत एक और समस्या बढ़ा दिया है। सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि डीएपी की सरकारी कीमत 1350ध हैं वो भी सहकारी समितियों पर सप्लाई और डिमांड में आध ो का अंदर जिससें समितियां भी परेशान हैं आये दिन किसानों से नोकझोंक होने की वजह से और वहीं खुले बाजार में 1700 प्रति बोरी वो भी खराब खाद जो फसल को नुकसान पहुंचाती हैं मिलती हैं।उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि देकर वाहवाही लूटने वाली भाजपा सरकार किसानों को परेशान करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं। सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि 25 नवम्बर से चालू होने वाले लोकसभा के शीतकालीन सत्र में डीएपी खाद की किल्लत को दूर करने के लिए जो सप्लाई में 40: की कटौती का मुद्दा प्राथमिकता पर उठाया जायेगा।

पालीथिन जब्त किया

प्रयागराज। खुल्दाबाद रेलवे स्टेशन से करैला बाग में पहलवान चौराहे के आगे तक नगर निगम ने अतिक्रमण मुक्त कराया। अतिक्रमण से पहले तथा अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी। इस सम्बन्ध में खुल्दाबाद एवं करैली थाने को अवगत करा दिया गया कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है। साथ ही साथ पालीथिन जब्त किया गया तथा रू0–3000ध– जुर्माना वसूला गया एवं कुल जुर्माना रू0–38000ध– शमन शुल्क वसूला गया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./24-25/04 दिनांक : 09.11.2024

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/ उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 14.12.2024 समय 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :

निविदा नं0 : टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-05-24-25	अनुमानित मूल्य (रू.) : 11027155.24
कार्यो का विवरण : सीपीओएच, कारखाना प्रयागराज में कार्य अनुसूची के अनुसार विभिन्न प्रकार की रेलपथ मशीनों के लिए व्हील और एक्सल एसेम्बली की मरम्मत का कार्य।	
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	बयाना राशि (रू.) : 205100.00
निविदा खुलने की तिथि : 14.12.2024	निविदा प्रपत्र की लागत (रू.) : निल
पात्रता मानदंड के लिए समान कार्य : किसी भी रेलपथ मशीन के व्हील और एक्सल/गियर बॉक्स से संबंधित कार्य।	

नोट : (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर क्रमशः **समय 15:00 बजे एवं 11:00 बजे** तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (6) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (7) निविदादा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसारही स्वीकार की जायेगी। (8) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (9) आन लाइन निविदा दिनांक 14.12.2024 समय 12:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 1958/24 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या, 24/75 दिनांक 08.11.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.: 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	64245298	कार्डन शाफ्ट	22 नग	12.12.2024
2	6324RC12	डिस इज टेन्डर टू इंटर इनटू रेट कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चरिंग & सप्लाई आफ डीरेलिंग स्विचेस फॉर 60 कि.ग्रा. रेल ऑन पीएससी स्लीपर टू आरडीएसओ ड्राइंग नंबर टी-6068	178 Set	16.12.2024
3	6324RC15	डिस इज टेन्डर टू इंटर इनटू रेट कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर & सप्लाई ऑफ ईआरसी-जे आरडीएसओ ड्रॉइंग नंबर टी-8258	453855 नग	23.12.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा 1952/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधाजनक आवागमन के उद्देश्य से अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों में वृद्धि के साथ ही गाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

उत्तर मध्य रेलवे नेटवर्क से होकर गुजरने वाली त्योहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	चलने के दिन	चलने की तिथि
07363	हुब्बली जं.	20:30	योगनगरी ऋषिकेश	23:30	सोमवार	18 एवं 25.11.2024
07364	योगनगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बली जं.	06:30	गुरूवार	14, 21 एवं 28.11.24
06563	सर.एम.वि.बेंगलुरू	21:15	बरौनी जं.	20:00	मंगलवार	19.11.2024
06564	बरौनी जं.	17:00	सर.एम.वि.बेंगलुरू	18:00	शुक्रवार	15 एवं 22.11.2024
06230	मुजफ्फरपुर	10:45	यशवंतपुर जं.	10:50	शनिवार	16.11.2024
06271	यशवंतपुर जं.	07:30	दानापुर	06:00	गुरूवार	14 एवं 21.11.2024
06272	दानापुर	08:00	यशवंतपुर जं.	10:30	रविवार	17 एवं 24.11.2024
09093	बांद्रा (ट.)	06:00	गोरखपुर	15:05	रविवार	17.11.2024
09094	गोरखपुर	18:05	उधना	00:20	सोमवार	18.11.2024
05797	अमृतसर	10:40	जोगबनी	05:00	गुरूवार	14.11.2024

ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1968/24 FA

बाल भारती स्कूल की छात्राएं वार्षिक पारंपरिक राजस्थानी नृत्य की प्रस्तुति देती हुए।

नेहरू युवा केंद्र प्रधानमंत्री के पंच प्राण आधारित उत्सव कार्यक्रम में यूनाटेड इंस्टिट्यूट ऑफ प्रबंधन कॉलेज में सामूहिक लोकनृत्य में प्रथम पुरुस्कार प्राप्त किया और लोकगीत में अंशिका तिवारी नें तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पंच प्रण आधारित युवा उत्सव का आयोजन

प्रयागराज। यूनाइटेड प्रबंधन संस्थान नैनी के सभागार में प्रधानमंत्री के सपनों के भारत के निर्माण हेतु पंच प्रण आधारित, युवा शक्ति से जनभागीदारी पर विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गयी। पंच प्रण आध ारित युवा उत्सव – 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 11 प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें पेंटिंग, कविता, भाषण प्रतियोगिता, मोबाइल फोटोग्राफी, एकल लोकगीत, एकल लोकनृत्य , समूह लोकगीत, समूह लोकनृत्य , समूह विज्ञान प्रदर्शनी, एकल विज्ञान प्रदर्शनी, युवाकृति – हैंडीक्राफ्ट मेला तथा अन्य विभागों गंगा टास्क फोर्स, संस्कृति विभाग, केंद्रीय संचार ब्यूरो, जिला उद्योग केंद्र, स्वास्थ्य विभाग की प्रदर्शनियों के स्टाल भी लगाए गए। यह प्रतियोगिताएं कैंपस के ही विभिन्न सभागारों में आयोजित की गईं तथा मुख्य कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रतियोगिता के साथ यूनाइटेड के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। भाषण

प्रतियोगिता व कविता लेखन प्रतियोगिता का मंच संचालन नेहरू युवा केंद्र के निर्मल कांत पाण्डेय ने तथा सम्पूर्ण कार्यक्रम आयोजन में मुख्य संचालन ल– 20 यूथ एंबेसडर रहे युवा, अमरेश दूबे ने किया। इन 11 विधाओं में से युवा कल्याण विभाग की तरफ से हैंडीक्राफ्ट प्रदर्शनी प्रतियोगिता , एकल नृत्य, एकल लोकगीत , समूह लोकगीत तथा निर्णायक मंडली में प्रमुख योगदान रहा । समूह लोकनृत्य, मोबाइल फोटोग्राफी , पेंटिंग, भाषण , समूह विज्ञान प्रदर्शनी, एकल विज्ञान प्रदर्शनी में नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज तथा यूनाइटेड कॉलेज का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनाइटेड प्रबंधन संस्थान के प्राचार्य डॉ ० देवेंद्र कुमार तिवारी, अरविंद स्वरूप कुशवाहा, उपनिदेशक , युवा कल्याण विभाग तथा प्रयागराज की सहायक नगर आयुक्त शिखा पाण्डेय ने दीप प्रज्वलन करके किया। इस मौके पर निर्णायक मंडल के सभी सदस्य तथा अन्य विभागीय अतिथि मौजूद रहे। जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किया व युवा उत्सव के विभिन्न विधाओं के पुरस्कार तथा उनके नियमों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में विशेष योगदान यूनाइटेड प्रबंधन संस्थान के प्राचार्य देवेंद्र तिवारी तथा सहायक प्रोफेसर नेहा पांडेय तथा पंजीकरण टीम रहा है। सीबीसी राम मूरत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में युवाओं को आगे आकर प्रतिभाग करने से बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और उत्सव जैसा माहौल अन्य उभरते कलाकारों को उत्साहित भी करता है।

आंवले के वृक्ष का पूजन कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

प्रयागराज। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि काशी प्रांत के स्वयंसेवकों द्वारा शनिवार को आंवले के वृक्ष का पूजन कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कैलाश आश्रम, झूंसी, प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेको ने स्वस्तिवाचन एवं वैदिक मंत्रों के द्वारा विधि विधान से सामूहिक रूप से आंवले के वृक्ष का पूजन किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि काशी प्रांत के प्रांत संयोजक श्रीमान कृष्ण मोहन जी ने आंवले के औषधीय एवं आध्यात्मिक गुणों के बारे में हमलोगों को अवगत कराए, आंवला एक अमृत फल है एवम् आंवले के वृक्ष में समस्त देवी–देवताओं का वास होता है इसलिए इसकी पूजा करने का विशेष महत्व होता है और सन्तान प्राप्ति हेतु महिलाओं के द्वारा विधि विधान से कार्तिक माह में आंवला नवमी के तिथि पर पूजन करती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार आंवला प्रकृति का दिया हुआ ऐसा वरदान है कि जिसका सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। उसी दिन आंवले के साथ साथ तुलसी के पौधों का भी वितरण हुआ तथा इसी क्रम में कैलास आश्रम के महंत स्वामी कृष्णा नन्द जी महाराज ने आंवला, तुलसी एवम् बांस के पर्यावरणीय एवं आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया। पर्यावरण विभाग संयोजक डॉ अमित पाण्डेय के द्वारा प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया और हरित महाकुंभ 2025 में आयोजित मेले को पालीथीन मुक्त रखने का संकल्प कराया। कार्यक्रम का संचालन सौरभ तिवारी पूर्व उपाध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद ने किया, आशुतोष कुमार त्रिपाठी,(विभाग पेड़ आयाम संयोजक), देवी दत्त त्रिपाठी (भाग पर्यावरण संयोजक) अनिल कुमार मिश्रा(भाग पेड़ आयाम संयोजक) ,

राजीव सिंह,(भाग सह पेड़ आयाम संयोजक), ने तुलसी पौध वितरण किया एवं उसके महत्व के बारे में बताया। आंवला एवं तुलसी पूजन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में रेनू देवी पाण्डेय, आंचल ओझा, धर्मेन्द्र कुमार मिश्र,संजय मिश्र, अंजनी त्रिपाठी, बीरेंद्र मिश्र,पंकज दुबे, चन्द्रशेखर मिश्र, पंकज मिश्र, गणेश मणि त्रिपाठी, पवन तिवारी न्यायाधीश (सेवानिवृत), जयशंकर मिश्र डिप्टी रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय इलाहाबाद, उमेश त्रिपाठी, संतोष कुमार मिश्र पूर्व सयुक्त सचिव प्रशासन सम्मिलित हुए। धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने ध न्यवाद ज्ञापित किया।

फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर बैठक

प्रयागराज। नगर निगम सभागार में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) उपविधि 2023, से सम्बन्धित प्रकाशित सरकार गजट उ०प्र० 05.10.2024 के अनुपालन के सम्बन्ध में सोमवार को नगर आयुक्त अम्बरीश

कुमार बिन्द, अपर नगर आयुक्त नगर निगम की अध्यक्षता में दीपशिखा, सहायक नगर आयुक्त, आर.पी. श्रीवास्तव जोनल अधिकारी जोन–6, सुदर्शन चन्द्रा, जोनल अधिकारी जोन–8, नवनीत शेखवाल, जोनल अधिकारी जोन 7 नगर निगम एवं अधोहस्ताक्षरी व प्रदीप कुमार यादव नोडल अधिकारीध अधिशासी अभियन्ता जोन–6, मनोज चौधरी अधिशासी अभियन्ता जोन–5, जितेन्द्र शर्मा अधिशासी अभियन्ता जोन–7, गंगा सागर अधिशासी अभियन्ता जोन–8, जलकल विभाग नगर निगम प्रयागराज तथा समस्त सफाई एवं खाद्य निरीक्षक नगर निगम एवं सेप्टिक टैंक सफाई से संबंन्धित निजी संचालको के प्रतिनिधियों व आलोक शुक्ला सचिव युवा सामाजिक सेवा संस्थान के साथ संयुक्त बैठक की गयी। बैठक में महाप्रबन्धक कुमार गौरव प्रदीप यादव नोडल अधिकारी अधिशासी अभियन्ता जोन 6 जलकल विभाग नगर निगम द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (थ्रैड) उपविधि 2023 के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया एवं समस्त सेप्टिक टैंक सफाई से सम्बन्धित निजी संचालको से सरकारी गजट में उल्लिखित मानक के अनुरूप कार्यवाही किये जाने एवं फीकल स्लज को सलोरी एफ. एस. टी.पी., नैनी एफ.एस.टी.पी तथा झूसी एफ.एस.टी.पी. पर निर्धारित स्थल पर ही निस्तारण की कार्यवाही कराये जाने हेतु अवगत कराया गया। साथ ही निजी संचालको को यह भी अवगत कराया गया कि उनके द्वारा फीकल स्लज के कार्य में लगाये गये श्रमिको का पंजीयन भारत सरकार द्वारा संचालित नमस्ते पोर्टल पर प्रत्येक दशा में कराना सुनिश्चित किया जाय ताकि श्रमिको को योजना का लाभ मिल सके।

प्रेमिका का गला रेतने वाला आरोपी गिरफ्तार, पड़ोसी पर भी किया था जानलेवा हमला

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के डभांव गांव में शनिवार रात कहासुनी के बाद अपनी प्रेमिका का गला रेतने वाले आरोपी युवक को नैनी पुलिस ने सोमवार भोर में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बीच बचाव में आये पड़ोसी पर भी जानलेवा हमला किया था। घायल दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। कौंधियारा थाना क्षेत्र के देवरा गांव की रेनू पांडेय (38) प्रयागराज शहर में साड़ी की दुकान में काम करती हैं। वह शादीशुदा हैं। काम के दौरान रेनू की पहचान राकेश पटेल (38) पुत्र सिरवत नारायण निवासी सपहा थाना घूरपुर से हुई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और दो माह पहले राकेश ने रेनू को नैनी के डंभाव स्थित रवि पटेल के घर में किराए का कमरा दिला दिया। तभी से रेनू यहीं रहने लगी थी। शनिवार देर रात राकेश रेनू को दुकान से लेकर अपने साथ डभांव स्थित कमरे पर आया था। वहां रेनू और राकेश के बीच एक साथ रहने को लेकर विवाद होने लगा। पुलिस के मुताबिक रविवार भोर में राकेश ने गुस्से में रेनू का पेपर कटर से गला रेत दिया। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाले महेश पटेल (45) पहुंचा और बीचबचाव करने लगा। राकेश ने उस पर भी वार कर दिया। इससे वह भी लहूलुहान हो गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाका ले जाया गया। गंभीर होने पर उन्हें स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। महेश की तहरीर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ जानलेवा हमले का मामला पंजीकृत किया था। आरोपी राकेश को सोमवार भोर में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में नौकरी के नाम पर 2.93 लाख रुपए ठगे: कई बार एकाउंट से ट्रांसफर की रकम, वापस मांगने पर मिली धमकी, रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई है। युवक से दो लाख 93 हजार रुपये ले लिए गए लेकन उसकीनौकरी नहीं लगी। ठगी का शिकार हुआ युवक जब रुपये वापस मांगकर थक गया तो उसने पुलिस अधिकारियों से शिकायत की। अब मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। बेरोजगार युवक का कहना है कि उसने कुल 293155 रुपये नौकरी के नाम पर दिए। तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस धोखाधड़ी और आईटी की धारा में केस दर्ज कर जांच में जुटी है। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के सलोरी के रहने वाले सौरव पांडेय ने तहरीर दी है कि वह किराए का मकान लेकर रहते हैं। आठ मई को टेलीग्राम के माध्यम से आध्या ठाकुर से संपर्क हुआ। उसने नौकरी दिलाने के नाम पर मुझसे पैसे मांगे। नौकरी के चक्कर में सौरव ने अपने खाते से 10 से 13 मई के बीच 293155 रु की राशि मोबाइल बैंकिग के माध्यम से भिन्न भिन्न खातो में स्थानांतरित किया। इसके बाद भी नौकरी नहीं लगी तो उन्हें धोखाधड़ी एहसास हुआ। इसके बाद उसने इसकी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर की। बाद में कर्नलगंज थाने में तहरीर दी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

प्रयागराज में विवाहिता ने खाया जहर: अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, मायके पक्ष के किया हंगामा

प्रयागराज। प्रयागराज के थाना क्षेत्र के चपरतला गांव में परिवारिक विवाद के बाद एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। इससे महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने जमकर बवाल किया। इलाकाई पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा– बुझाकर मामले को शांत कराते हुए शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु शहर भेज दिया है। मेजा कोतवाली के चपरतला गांव की रहने वाले कौशलेश की शादी गंगा पार के बेदौली गांव की रहने वाली संगीता के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ हुई थी। शादी के बाद संगीता का ससुराल में सभी से व्यवहार ठीक चल रहा था। एक सप्ताह पूर्व संगीता से ससुराल में किसी कामकाज को लेकर विवाद शुरू हो गया। वहीं बीती रात एक फिर संगीता से विवाद हुआ।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062